हिमाचल अभी अभी
Himachal ABHI ABHI
/himachal.abhiabhi @himachal_abhi
नई सोच नई खोज
साप्ताहिक

निर्दलीय विधायकों को निष्कासित करने को विधानसभा सचिवालय में याचिका दायर –पढ़ें पेज 2 पर

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 9 अंक 48 कांगड़ा। शनिवार, 27 अप्रैल-03 मई, 2024 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 15 वैशाख, विक्रमी संवत् 2081 कुल पृष्ठ 12 मूल्य ₹5 Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

वरुथिनी एकादशी

वैशाख माह के कृष्ण पक्ष में पड़ने वाली एकादशी तिथि को वरुथिनी एकादशी कहा जाता है। यह भगवान विष्णु को प्रसन्न करने का सबसे पुण्यदायक एकादशी मानी जाती है। हिंदू धर्म में वरुथिनी एकादशी तिथि का विशेष महत्व है।

वरुथिनी एकादशी के दिन गंगा समेत अन्य पवित्र नदियों में स्नान–ध्यान कर साधक भगवान विष्णु की पूजा–उपासना करने का विधान है. साथ ही इस एकादशी का व्रत भी रखा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि एकादशी व्रत करने से व्यक्ति के सारे पाप धुल जाते हैं। सभी दुख–दर्द और दरिद्रता से छुटकारा पाने के लिए वरुथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के वराह रूप की पूजा–अर्चना की जाती है. आइए जानते हैं इस साल वरुथिनी एकादशी 2024 कब है, पूजा का मुहूर्त क्या है और इस एकादशी का महत्व।

इस साल 4 मई 2024 शनिवार को वरुथिनी एकादशी का व्रत किया जाएगा। जो भी व्यक्ति इस वरुथिनी एकादशी का व्रत करते हैं, उन्हें कन्यादान के बराबर फल प्राप्त होता है। इस व्रत के माहात्म्य का पाठ करने से एक सहस्त्र गौदान का पुण्य प्राप्त होता है।

पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 3 मई 2024 शुक्रवार रात 11 बजकर 24 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 4 मई 2024 शनिवार को रात 8 बजकर 38 मिनट पर समाप्त होगी। व्रत का पारण 5 मई 2024 रविवार सुबह 5 बजकर 37 से लेकर सुबह 8 बजकर 17 मिनट तक किया जाएगा. इस दिन द्वादशी तिथि शाम 05:41 मिनट पर खत्म होगी।

वरुथिनी एकादशी का व्रत करने से दस सहस्त्र वर्ष तपस्या करने के बराबर फल मिलता है। वरुथिनी एकादशी का व्रत सौभाग्य प्रदान करने वाला है। इस दिन अन्न (अनाज का दान) दान करने से पितृ, देवता, मनुष्य आदि सब प्रसन्न होते हैं। जो पुण्य कन्यादान करने से मिलता है, वो पुण्य वरुथिनी एकादशी के दिन व्रत और पूजा करने से मिल जाता है। वरुथिनी एकादशी का व्रत करने से मनचाहे फल की भी प्राप्ति होती है।

पं. कुलदीप शास्त्री